

7

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली  
सैकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा दसवीं)  
परीक्षार्थी प्रवेश-पत्र के अनुसार भरें

COURSE

विषय Subject: HINDI COURSE - B

विषय कोड Subject Code: 085

परीक्षा का दिन एवं तिथि  
Day & Date of the Examination: TUESDAY, 08.03.2016

उत्तर देने का माध्यम  
Medium of answering the paper: HINDI

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखें  
कोड को दर्शाए :  
Write code No. as written on  
the top of the question paper :

Code Number	Set Number
<u>4/2/3</u>	① ② ● ④

अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका (ओं) की संख्या  
No. of supplementary answer-book(s) used

Nil

विकलांग व्यक्ति :  
Person with Disabilities :

हाँ / नहीं  
Yes / No

No

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो संबंधित वर्ग में ✓ का निशान लगाएँ।  
If physically challenged, tick the category

B  D  H  S  C  A

B = दृष्टिहीन, D = मूक व बधिर, H = शारीरिक रूप से विकलांग, S = स्पास्टिक  
C = डिस्लेक्सिक, A = ऑटिस्टिक  
B = Visually Impaired, D = Hearing Impaired, H = Physically Challenged  
S = Spastic, C = Dyslexic, A = Autistic

क्या लेखन - लिपिक उपलब्ध करवाया गया :  
Whether writer provided :

हाँ / नहीं  
Yes / No

No

यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये  
सॉफ्टवेयर का नाम :  
If Visually challenged, name of software used :

N.A.

\*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।

Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

कार्यालय उपयोग के लिए  
Space for office use

**7814839**

085/12271/15702

## खंड - वा

8. (क) ख्यूक्रिन एक स्तनधार था। एक कुत्ते ने उसकी आंखों में लैवजह काट खाई थी। अतः वह एक हफ्ते तक अपना पैचीदा किश्म का काम नहीं कर पाया और उसका नुकसान होगा। इसलिए वह उस कुत्ते के मालिक से मुआज्जा पाना चाहता था।

(ख) लेखक की माँ वनस्पति और जीव-जगत का बहुत आदर करती थीं। और वे कहती थीं कि दिन छिपने के बाद पेड़ों से पत्ते तोड़ने से वे शैत हैं। रात में फूल तोड़ने से वे श्राप देते हैं। वे कबूतर को हज़रत मुहम्मद की अज़ीज़ समती थीं और सुर्गों के प्रति भी सम्मान प्रकट करती थीं। वे समुद्र को सलाम करके उसे खुश करने के लिए कहती थीं।

(घ) जापानियों के दिमाग में की रफ्तार 18 हजार बाना तेज़ होने के कारण ऐसा लेखक ने कहा है।

www

9  
 (क) जापान में चाय पीने की विधि को टी-सेसनी या 'चा-नो-थू' कहा जाता है, जिसमें चाय एक-एक बूँद करके पी जाती है। इस तरह शांत वातावरण में चाय पीने से दिमाग की रफ्तार धीरे-धीरे धीमी पड़ती चली जाती है। कुछ समय बाद बिल्कुल बंद भी हो जाती है। ऐसा प्रतीत होता है मानो व्यक्ति अनंतकाल में जी रहा हो। उसे सन्नता भी सुनाई देने देता है। उसके दिमाग में भूत और अविष्य दोनों काल उड़ जाते हैं, और वह केवल वर्तमानकाल में जीता है जो अनंतकाल जैसा विस्तृत मालूम होता है।

10.

(क)

www

व्यवहारवादी उन्हें कहा जाता है जो आदर्श को व्यावहारिक बनाकर जीवन में अपनाने हैं। वे हमेशा सजग रहते हैं क्योंकि वे दूसरों से आगे बढ़ना चाहते हैं और सफलता प्राप्त करना चाहते हैं। वे लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं।

(ख)

श्वश्रुतों को अपनाने और अपने साथ दूसरों को भी अपनाने ही महत्त्व की बात मानी गई है, क्योंकि इसी से समाज की उन्नति होती है, और परोपकार की भावना स्पष्ट झलकती है।

(ग) आदर्शवादी लोगों ने स्वयं ऊपर चढ़कर अपने साथ ही दूसरों को भी ऊपर ले चला है। इस प्रकार वे समाज में शाश्वत मूल्यों की स्थापना भी करते हैं।

11. (क) कवि ने कहा है कि प्राण छोड़ते समय सैनिकों की साँस थमती गई और नसें जमती गईं, फिर भी उन्होंने बढ़ते कदम को नहीं रोका। उनके सिर कटते गए, मगर उन्होंने हिमालय का सिर झुकने नहीं दिया। वे देश के लिए अपनी अंतिम साँस तक कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करते रहे।

(ख) और पूरे घर परिवार में नायक-नायिका इशारों के माध्यम से बात करते हैं। सबकी उपस्थिति में नायक ने नायिका को इशारा किया। नायिका ने इशारे से मना किया। इस पर नायक रीझ क गया। इस रीझ पर नायिका खीझ उठी। दोनों के नेत्र मिले, नायक प्रश्नन्न था और नायिका की आँखों में लज्जा थी।

(ग) आकाश में चमकते तारों को स्नेहीन कहा गया है क्योंकि उनके आपस में कोई स्नेह नहीं है, और वे प्रभु-शक्ति से शून्य हैं (आश्वाहीन दीपक और बिना तेल के दीपक के समान)

12. 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल!' आध्यात्मिक कविता है जिसमें दीपक प्रभु-शक्ति की लौ का प्रतीक है। कवयित्री चाहती है कि उसके मन में आस्था-रूपी दीपक निरंतर जलता रहे- मधुर भाव से, पुनक भाव से, काँपते हुए, हँसी-खुशी से। वह चाहती है कि उसका जीवन प्रभु के काम आए। वह प्रभु के मार्ग पर दीपक-सी बनकर जलती रहे। वह अपनी शांति से सभी दिशाओं को सहकाती रहे। सारी दुनिया में प्रभु शक्ति की अद्वैती चाह है। सांसारिक लोभ और नृणा के कारण लोगों के हृदय जल रहे हैं। उन्हें शांति चाहिए, शक्ति चाहिए। कवयित्री अपनी अपने तन को गलाकर, अपना अहं भाव त्यागकर, अपने प्रियतम को प्राप्त करना चाहती है। वह अपनी शक्ति-भावना से सारे जगत के आँगन को महकाना चाहती है।

13.

अपने बल पौरुष द्वारा  
कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि व स्वतंत्र रूप से जीवन की कठिनाइयों को पार करने में सक्षम होना चाहता है; और एक सहायक पर निर्भर नहीं होना चाहता।

इस कविता में कवि स्वयं अपने बल पर अपने दुखों पर त्राण पाना चाहता है। वह कष्टों से दुःखकारि नहीं, बल्कि उन्हें सहने की शक्ति चाहता है के लिए प्रार्थना करता है। वह चाहता है कि इस संसार के लोगों द्वारा धोखा खाने के पश्चात् भी वह मन में हार न माने। वह कभी भी परमात्मा के प्रति

संशय न करें। वह सुख के समय में भी ईश्वर को याद करें और उनके प्रति विनय प्रकट करें। इसका बल पेंस कभी न हिले, वह नहीं मडि जिडर होकर संकटों का सामना करें, और ईश्वर के प्रति उसकी आस्था सदा - सर्वदा बनी रहे।

### शब्द - शब्द

उ. (i) जब शब्द व्याकरणिक नियमों में बँटाकर वाक्य में प्रयुक्त होता है, तब उसे पद कहते हैं।

उदा. शैब → शब्द  
राम शैब खाता है। (यहाँ 'शैब' एक पद बन जाता है।)

(ii) शब्द → एक या अधिक वर्णों से बनी हुई स्वतंत्र सार्थक ध्वनि।  
पद → वाक्य में प्रयुक्त शब्द को पद कहते हैं।

4. (i) जैसे ही शाम ने यमुना तट पर मुरली बजाई, वैसे ही सारी जाशें इकट्ठी हो गईं।

ii) वे वहाँ चार और क्रिकेट का मैच देखने लगे।

iii) सरल वाक्य

5. (क) \* सृष्टु (मधुर) है जो वचन - कर्मधारय समास

\* केह का दान - तत्पुरुष समास

(ख) \* प्रकृतिवर्णन - तत्पुरुष समास

\* गौरववर्णन - कर्मधारय समास

6. (क) हमने उससे कह दिया था ~~कि~~ ~~कि~~ ~~कि~~

(ख) तुम अपना पक्ष रखो। ~~कि~~ ~~कि~~ ~~कि~~

(ग) हमारे दोनों लड़के इसी शहर में रहते हैं। ~~कि~~ ~~कि~~ ~~कि~~

(घ) आप हमारे घर ~~कब~~ कब आएँगे ? ~~कि~~ ~~कि~~ ~~कि~~

\* वह इस इलाज के लिए हाँ कहते हुए अपने प्राण हथेली पर रख रहा है। ~~कि~~ ~~कि~~ ~~कि~~

\* मैं प्रतियोगिता जीत गई, इसलिए वी के दिने जलाओ ~~कि~~ ~~कि~~ ~~कि~~



म  
म

खंड - ८

14. मरीया अंतन,  
अ. व. स. विद्यालय,  
नई दिल्ली।

दिनांक: 8 मार्च, 2016

अधीनक महोदय,  
डाक केंद्र कार्यालय,  
नई दिल्ली।

विषय: डाक पहुँचाने की अत्यवस्था।

माननीय महोदय,  
सूचनार्थ निवेदन है कि मैं च.ड.ट. क्षेत्र का निवासी हूँ। बात एक माह से हमारे इलाके में डाक वितरण अनियमित रूप से चल रहा है। इसका प्रमुख कारण है इस क्षेत्र के पोस्टमैन की लापरवाही। वह नियमित रूप से डाक नहीं पहुँचाता और आग्रह करने पर हमें बुरा-सला सुनाता है।

दुश्के कारण यहाँ के निवासियों को अनेक अवि अशुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। आपसे विनम्र निवेदन है कि कृपया इस समस्या को सुलझाने का प्रयास करें और पोस्टमैन को निवासों का पालन ताकि अविध्य में हमें संकटों का सामना न करना पड़े।

सधन्यवाद ।  
भवदीय,  
क. ख. ग

## 15. (ख) जीवन में श्रम की महत्ता

मनुष्य शरीर प्राप्ति - पशु पर आगे बढ़ना चाहता है। इसके लिए जीवन में एक अति-महत्वपूर्ण अंग की आवश्यकता है - श्रम। हम श्रम से ही सफलता प्राप्त कर सकते हैं। श्रम के विभिन्न रूप हैं। कुछ लोग मानसिक श्रम करते हैं, जिन्होंने वे बुद्धि का विकास करते हैं। अन्य लोग परिश्रम करके अपने लक्ष्य लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए केवल एक ही मूल मंत्र - परिश्रम। कठोर साधना के पश्चात ही महान लोग प्रसिद्ध हुए हैं। इससे अनुशासन और अथवास भी जुड़े हुए हैं। श्रम के महत्त्व को समझते हुए हमें भी अपार श्रम करना चाहिए।

16.

3/2

शूचना  
अ.व.स. समिति  
शोग की कक्षाएँ

8 मार्च 2016

इस मुहल्ले के निवासियों को सूचित किया जा रहा है कि निवासियों के लिए शोग की कक्षाएँ प्रार्थना की जा रही हैं :-

स्थान : मथुरा पार्क

समय : सुबह 7 बजे से 9 बजे तक

शुल्क : नि : शुल्क

दिनांक : प्रति शुक्रवार और रविवार

कृपया इन कक्षाओं का लाभ उठाएँ ताकि आप सदा स्वस्थ रह सकें।

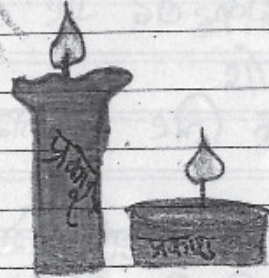
अ. व. स.

सचिव

अ.व.स. समिति

- राम : क्या तुमने सुना ? कल दिल्ली में एक <sup>धरना</sup> हुआ था ।
- श्याम : हाँ । यह धरना विदेशियों द्वारा आयोजित किया गया था ।
- राम : आजकल हड़ताल - धरने बहुत अधिक बढ़ गए हैं ।
- श्याम : ठीक कहा ।
- राम : लोगों को अपनी माँगें पूरी करने के लिए सरकार को विवश कर देते हैं ।
- श्याम : यह अच्छी बात ही तो है । लोग अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं ।
- राम : परंतु इससे जनशांति संग हो जाती है ।
- श्याम : बिल्कुल सही ।
- राम : हमें शांतिपूर्वक अपना प्रस्ताव सरकार के सामने रखना चाहिए ।
- श्याम : और एक संतुष्ट और शांत जीवन जीना चाहिए ।

18.



यह देता है आपको प्रकाश,  
आप इससे न होंगे निराश!

आज ही खरीदिए प्रकाश मोमबत्तियाँ

सिर्फ रु 20

- विभिन्न रंगों और आकारों में उपलब्ध
- विभिन्न सुगंध - सहित

आज ही खरीदिए!

## अंड - क

- (क) हर मौसम का अपना मिजाज, अपना अंदाज, अपनी खुशबू, अपना स्पर्श होता है, जो हमें तरह तरह की भावनाओं, अनुभूतियों से झरकर हमारे अनुभव - जगत का विस्तार करता है। हम इन प्रकृति के रूपों, अर्थात् ऋतुओं को निःशब्द हुए उसे निहारने लगते हैं। इसका हम पर मनोवैज्ञानिक असर होता है।
- (ख) धत्ते वसंत ऋतु में : फूलों से आकर आवृत कर खिलखिलाहट से भर देना। वर्षा ऋतु में : झर झर पानी बरसाकर तर कर देना। ये ही अनुभूति रूप मुझे अधिक प्रभावित करते हैं।
- (ग) ग्रीष्म के अलसाह दिन लंबे होने के कारण, ठंडे बंद कमरों में लेटे दिलो - दिमाग को आत्मचिंतन का श्रेष्ठ समय देते हैं (मनोवैज्ञानिक प्रभाव)। इससे लेशक प्रभावित होता है।
- (घ) मधुमास हमारी एक महीना है जस जिसमें वसंत ऋतु का अनुभव किया जाता है। मधुमास हमारी रचनात्मक प्रवृत्ति को तराशा देता है और हमें तरह-तरह से रचनात्मक बनाता है।

(ड.) सुख और दुख में से एक भी दशा स्थायी नहीं है,  
उत : हमें न सुख में अधिक सुखी और न दुख में अधिक  
दुखी होना चाहिए ; तटस्थ भाव से जीना चाहिए ।

(च) प्रकृति के विभिन्न समोहक रूपों को देखते ही हम चकित और  
प्रभावित हो जाते हैं, ~~इस~~ हम उस सौंदर्य को शब्दों से  
वर्णन नहीं कर सकते, और हम उसे निहारते रहते हैं ।

2. (क) दोनों दो लिड़कियाँ हैं और वे बहुत छोटी और सामूली चीजें जैसे  
गाय. दूध देती हैं, और ~~हैं~~ ~~भूसा~~ ~~दा~~ हैं, पर वे इनके बारे में  
बातचीत कर रही हैं ।

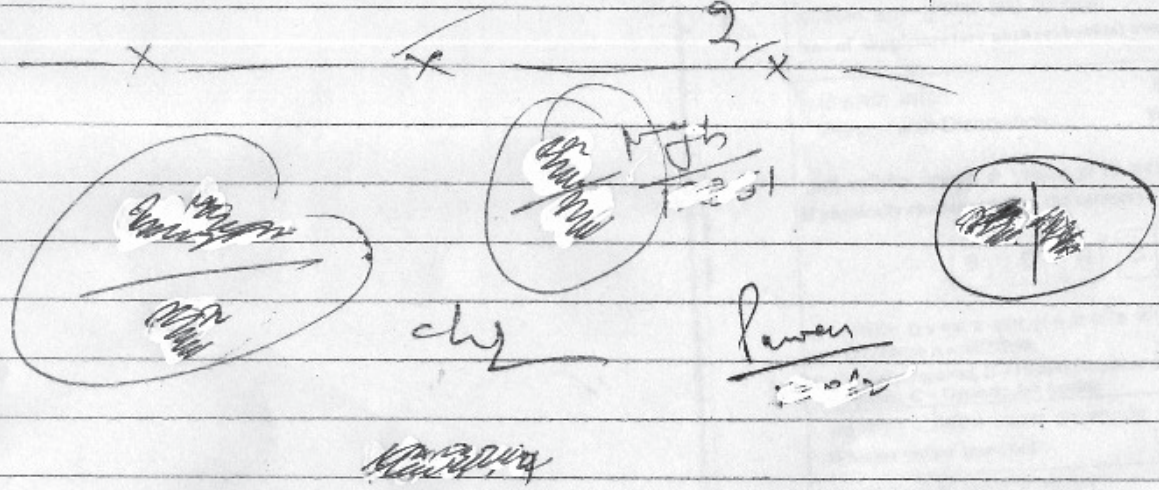
(ख) क्योंकि वे शादी के बाद वे अपने समुदाय के घर चली जाएंगी । माना -  
पिता उन्हें एक शर के समान मानते हैं ।

(ग) कवि कहता है कि यदि ईश्वर ने बेटियों (स्त्री) की रचना की है, तो  
उनके मान-सम्मान एवं सुरक्षा की व्यवस्था भी समाज के लिए  
प्रदान करें ।



(घ) असरूभा, समाज में नारी को बराबर अधिकार नहीं दिए जाते; विद्यालय जाने से पाबंध (नारियों के लिए) ~~अस~~

समाज में पुरुष और स्त्री दोनों को एक-बराबर मानना चाहिए। उनके बीच लिंग के आधार पर शक्तिजनिक स्थलों और परिवार के अंदर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए।



सं  
से

माता -

तो  
ले